3 मुँहपटक और धरपटक

• कहानी •

मुँहपटक	धरपटक	शेखीबाज़	प्रशंसा	खर्राटे	क्रोध
सूँड़	फुर्ती	आँगन	कर्कश	झाड़ू	दंतखोदनी
चेतावनी	छींटे	सींक	थपथपाकर	गुस्सा	सिर्फ़

दो पहलवान थे—मुँहपटक और धरपटक।

मुँहपटक पहलवान की बड़ी चर्चा थी। उसके जैसा शेखीबाज़ पहलवान कोई नहीं था। मगर धरपटक पहलवान सचमुच का भारी-भरकम पहलवान था। मुँहपटक पहलवान की प्रशंसा से उसे बड़ी जलन होती थी। एक दिन उससे रहा नहीं गया, अपने कंबल में नब्बे मन आटा बाँधा, उसे पीठ पर लादा और मुँहपटक पहलवान से ज़ोर आज़माने के लिए उसके घर की ओर चल पड़ा।

रास्ते में एक बड़ा-सा तालाब देखकर वह रुक गया। उसे ज़ोरों की भूख लगी थी। प्यास से उसका गला सूख रहा था। तालाब के किनारे अपनी गठरी रखकर उसने तालाब के पानी से अपना आटा साना। तालाब का आधा पानी इसमें लग गया। आटा सानकर उसका एक बड़ा-सा गोला बनाया और अपने मुँह में डाल लिया। फिर पानी पीने धरपटक तालाब में उतरा और आधे भरे तालाब का सारा पानी पी गया। फिर उसने एक ज़ोरदार डकार ली। इसके बाद तालाब के किनारे लेटकर खर्राटे भरने लगा।

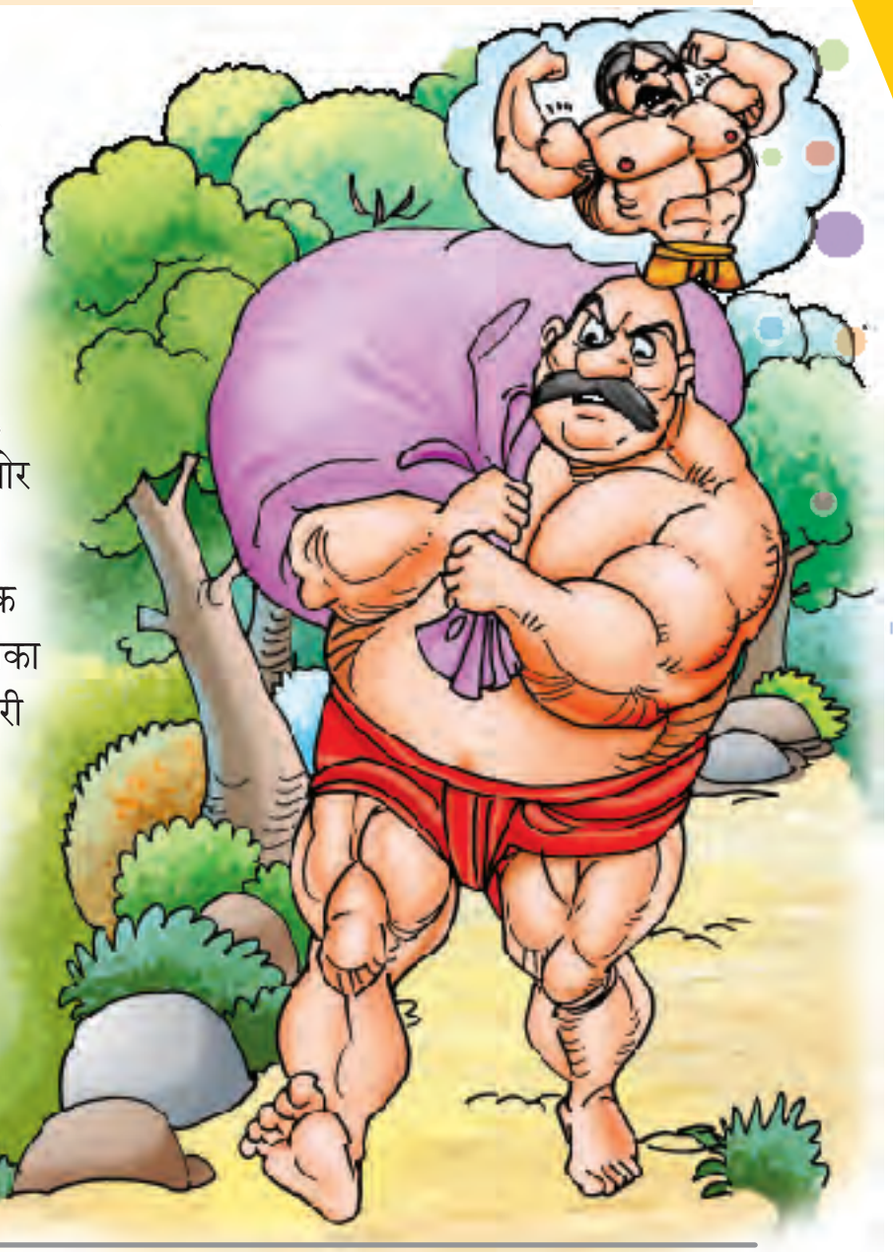

शिक्षण संकेत

- पाठ पढ़ाने से पूर्व बच्चों को इस कहानी का सार अपने शब्दों में समझाएँ। फिर बारी-बारी से पाठ का वाचन कराएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों का उच्चारण कराएँ तथा फिर उन्हें श्रुतलेख के माध्यम से लिखने का अभ्यास कराएँ। अंत में इस कहानी से मिलने वाली सीख भी बताएँ।

उस तालाब में रोज़ एक हाथी आकर पानी पीता था। थोड़ी ही देर बाद वह पानी पीने आया। तालाब को सूखा देखकर उसे बहुत गुस्सा आया। वहाँ पर एक आदमी को लेटा देखकर हाथी ने क्रोध से उसके सिर पर भारी-भरकम पैर रखा। धरपटक पहलवान की नींद टूट गई। उसने खीझते हुए कहा, ''अरे, अगर तुम मेरा सिर ही दबाना चाहते हो तो ज़रा ढंग से तो दबाओ।''

धरपटक पहलवान की बात सुनकर हाथी को और गुस्सा आ गया। वह उसे अपनी सूँड़ में लपेटकर उछालने जा रहा था कि धरपटक पहलवान ने फुर्ती से उठकर उस हाथी को पकड़कर अपने झोले में डाल लिया और वहाँ से आगे चल पड़ा।

मुँहपटक पहलवान के घर के सामने पहुँचकर धरपटक पहलवान ने आवाज़ लगाई, ''कहाँ हो मुँहपटक? सुना है, तुम बड़े पहलवान हो। हिम्मत हो तो मेरे सामने आओ।''

यह सुनकर मुँहपटक घबरा गया। डर के मारे वह अपने घर के पिछले दरवाज़े से निकलकर जंगल में जाकर छिप गया। मुँहपटक की पत्नी ने बाहर आकर कहा, ''जी, वे तो घर पर नहीं हैं। कोई पहाड़ ठेलने गए हैं।''

धरपटक ने झोले से हाथी को निकालकर उसके आँगन में फेंकते हुए कहा, ''इसे अपने पति को दिखाकर कहना कि धरपटक पहलवान उससे ज़ोर आज़माना चाहता है।''

ऐसी विचित्र बात देखकर मुँहपटक की पत्नी और उसका बेटा घबरा गए। लेकिन मुँहपटक का लड़का बड़ा चालाक था। उसने अपनी कर्कश आवाज़ में चीखते हुए कहा, ''ओ माँ, इस आदमी ने मेरी ओर एक चूहा फेंका है। अब बताओ, मैं क्या करूँ?''

उसकी माँ बोली, ''घबरा मत बेटा! अपने पिता को आने दे। वही इस आदमी से निबटेंगे। फिलहाल इसे चूहे को झाड़ू मारकर फेंक दे।''

इसके बाद झाड़ू लगने की आवाज़ आने लगी। फिर उस लड़के ने कहा, ''माँ, यह चूहा तो नाली में गिर पड़ा।''

धरपटक पहलवान सोचने लगा, जिसका बच्चा इतना ताकतवर है, वह स्वयं भी ज़रूर मेरे जैसा ही बलशाली होगा।

घर के सामने काफ़ी ऊँचा ताड़ का एक पेड़ था। धरपटक ने पेड़ को उखाड़कर कहा, ''ओ छोकरे! अपने पिता से कहना कि मुझे एक छड़ी की ज़रूरत थी, इसलिए मैं इसे लेकर जा रहा हूँ।''

बालक ने पलटकर ज़ोर से कहा, "माँ, देख रही हो? यह दुष्ट आदमी मेरे पिता की दंतखोदनी सींक लेकर भाग रहा है।"

उतने बड़े पेड़ को सींक कहता देखकर धरपटक की आँखें अचरज से फैल गईं। वह तुरंत वहाँ से भाग खड़ा हुआ। मुँहपटक ने घर लौटकर अपने बेटे से पूछा, "कहाँ गया वह आदमी?"

बेटे ने कहा, "वह हमारा ताड़ का पेड़ उखाड़कर यहाँ से भाग गया।"

मुँहपटक ने मुँह बनाकर पूछा, "तुमने उससे कुछ कहा नहीं?"

बेटे ने जवाब दिया, "जब वह लेकर भाग ही गया तो उससे मैं क्या कहता?" बेटे की बात सुनकर मुँहपटक को बहुत गुस्सा आया। वह बोला, "मेरा बेटा होकर भी तुमने मेरा नाम डुबो दिया। क्या तुम उसे कोई मुँह-तोड़ जवाब नहीं दे सकते थे? चलो, तुम्हें अभी ले जाकर नदी में फेंक आता हूँ।"

नदी गाँव से बहुत दूर थी। वह सोच रहा था कि जहाँ भी उसका बेटा घबराकर रोएगा, वह उसे चेतावनी देकर माफ़ कर देगा। बेटे को तो वह सिर्फ़ डराना चाहता था, नदी में फेंकना नहीं। मगर रास्ते भर न उसका बेटा रोया, न उसने कुछ कहा।

मुँहपटक ने उसे डराने के लिए कहा, "हम नदी के करीब आ पहुँचे हैं।" बेटे ने भी झट से कहा, "हाँ पिताजी, मुझे भी लहरों के छींटे लग रहे हैं।"

इस जवाब से मुँहपटक को बड़ी हैरानी हुई। उसने अपने बेटे को कंधे से उतारकर पूछा, "ज़रा सच-सच बता, तुमने उस आदमी से कुछ कहा था या नहीं?"

बेटे ने कहा, "उससे तो मैंने कुछ नहीं कहा था,मगर चिल्लाकर मैंने अपनी माँ से ज़रूर कहा था, वह दुष्ट मेरे पिता की दंतखोदनी सींक लेकर भाग रहा है।"

मुँहपटक ने अपने बेटे की पीठ थपथपाकर कहा, "शाबाश! तुम अपने बाप के बेटे हो।"

—सुकुमार राय

शब्दकोश

प्रशंसा – बड़ाई। **आज़माना** – परखना। **क्रोध** – गुस्सा। **खीझना** – झुँझलाना। **झोला** – थैला। **ठेलना** – धकेलना। **कर्कश** – कठोर। **ताकतवर** – बलशाली। **छोकरा** – लड़का। **दंतखोदनी** – दाँत कुरेदने वाली। **अचरज** – आश्चर्य। **चेतावनी** – सावधान करना। **शेखीबाज़** – बढ़-चढ़कर बातें करने वाला। **नाम डुबोना** – बेइज़्ज़त करना। **मन** – 40 किलो का एक मन होता है।

मुहावरे : **ज़ोर आज़माना** – ताकत का अंदाजा लगाना। **मुँह-तोड़ जवाब देना** – कठोर बात कहना।

विशेष : **मानक वर्तनी के प्राचीन एवं नवीन रूप**

कम्बल – कंबल पत्नि – पत्नी दुष्ट – दुष्ट तुरन्त – तुरंत कन्धा – कंधा दन्त – दंत

पाठ बोध

1. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए: समेटिव असेसमेंट

क. धरपटक पहलवान ने अपनी भूख-प्यास किस प्रकार शांत की?

ख. मुँहपटक पहलवान जंगल में जाकर क्यों छिप गया?

ग. मुँहपटक को अपने बेटे पर गुस्सा क्यों आया?

घ. मुँहपटक को अपने बेटे के किस जवाब से बड़ी हैरानी हुई?

2. सही उत्तर के आगे ✓ लगाइए :

क. हाथी को किस बात पर गुस्सा आ गया?

तालाब को सूखा देखकर ☐ धरपटक को लेटा देखकर ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

ख. धरपटक पहलवान किससे डरकर भाग गया?

मुँहपटक की पत्नी से ☐ मुँहपटक के बेटे से ☐ मुँहपटक से ☐

ग. मुँहपटक का बेटा कैसा था?

शरारती ☐ लड़ाकू ☐ चालाक ☐

घ. लड़के ने हाथी को क्या बताया?

झोला ☐ चूहा ☐ छड़ी ☐

M C Qs

3. कहानी में घटित घटनाक्रम के अनुसार सही क्रमांक लिखिए:

☐ धरपटक पहलवान ने हाथी को अपने झोले में डाल लिया।

☐ मुँहपटक पहलवान की पत्नी ने कहा, ''इस चूहे को झाड़ू मारकर नाली में फेंक दो।''

☐ उसने तालाब के आधे पानी से आटा साना और एक बड़ा-सा गोला बनाकर मुँह में डाल लिया।''

☐ धरपटक ने ताड़ का एक पेड़ उखाड़ लिया।

☐ मुँहपटक पहलवान घर के पिछले दरवाज़े से जंगल में जाकर छिप गया।

☐ धरपटक पहलवान ने अपने कंबल में नब्बे मन आटा बाँधा।

☐ मुँहपटक ने अपने बेटे की पीठ थपथपाई।

4. ऐसा किसने कहा?

वाक्य	किसने कहा
क. ''जी, वे तो घर पर नहीं हैं। कोई पहाड़ ठेलने गए हैं।''	
ख. ''ओ छोकरे! अपने पिता से कहना कि मुझे एक छड़ी की ज़रूरत थी, इसलिए मैं इसे लेकर जा रहा हूँ।''	
ग. ''वह हमारा ताड़ का पेड़ उखाड़कर यहाँ से भाग गया।''	
घ. ''हम नदी के करीब आ पहुँचे हैं।''	

भाषा एवं व्याकरण

1. पर्यायवाची शब्द लिखिए:

पेड़	–		आँख	–	
हाथी	–		तालाब	–	
बेटा	–		नदी	–	

2. वाक्यों में प्रयुक्त रंगीन शब्द किसके लिए प्रयोग हुए हैं?

क. उसके जैसा शेखीबाज़ पहलवान कोई नहीं था. _____

ख. रास्ते में एक बड़ा-सा तालाब देखकर वह रुक गया। _____

ग. तालाब को सूखा देखकर उसे बहुत गुस्सा आया। _____

घ. वे तो घर पर नहीं हैं। _____

ङ. मुझे भी लहरों के छींटे लग रहे हैं। _____

यह भी जानिए : वाक्यों में प्रयुक्त रंगीन शब्द संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयोग हुए हैं। ऐसे शब्दों को **सर्वनाम** कहते हैं।

3. 'सर्वनाम' शब्द के सामने ✓ लगाइए:

बेटा ☐	नदी ☐	उसने ☐	सींक ☐
उन्होंने ☐	दिन ☐	झाड़ू ☐	चूहा ☐
ऊँचा ☐	वह ☐	बलवान ☐	रोया ☐
पेड़ ☐	हाथी ☐	चालाक ☐	मैं ☐
छड़ी ☐	पति ☐	मुझे ☐	ऐसी ☐

MCQs

✤ पढ़िए:

''उतने बड़े पेड़ को सींक कहता देखकर धरपटक की आँखें अचरज से फैल गईं।''

समझिए:

वाक्य में 'पेड़', 'सींक', 'आँखें' किसी जाति की सभी वस्तुओं के बारे में बता रहे हैं। जबकि 'धरपटक' शब्द किसी विशेष व्यक्ति का बोध करा रहा है।

किसी जाति या वर्ग के बारे में बताने वाले शब्द **जातिवाचक संज्ञा** कहलाते हैं। किसी विशेष व्यक्ति, स्थान, वस्तु के बारे में बताने वाले शब्द **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहलाते हैं।

4. अब प्रत्येक शब्द के आगे संज्ञा का नाम लिखिए :

शब्द	संज्ञा
नदी	_____
बच्चा	_____
गंगा	_____
हाथी	_____

शब्द	संज्ञा
सीमा	_____
चेन्नई	_____
प्रकाश सदन	_____
कार्बेट पार्क	_____

रचनात्मक अभ्यास

फॉरमेटिव असेसमेंट

1. मौखिक उत्तर दीजिए:

क. धरपटक पहलवान को किस बात से बहुत जलन थी?

ख. धरपटक मुँहपटक के घर क्यों गया?

ग. धरपटक ने खीझकर हाथी से क्या कहा?

घ. मुँहपटक की पत्नी और बेटा क्या देखकर घबरा गए?

2. अपना मनपसंद चुटकुला लिखकर उसका चित्र भी बनाइए।